भुवन मालती शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, भीतिहारी

Q नाटक कितने प्रकार के होते हैं।

नाटक

नाटक काव्य के रूप होते हैं। यह केवल श्रवण ही नहीं, दृष्टि द्वार भी दर्शकों के हृदय में जगह बनाती हैं। यह एक प्रकार का दृश्य काव्य होता है। नाटक द्वारा लोगों की प्रस्तुति होती है जो विभिन्न विषयों पर होती है या हो सकती है। यह धार्मिक कथाएं या फिर प्रचलित लेखों पर भी हो सकती है। स्वयं निर्मित नाटकों का भी प्रचलन काफी बढ़ चुका है। स्कूल और कॉलेजों में यह छात्रों को कराया जाता है। जिसमें पढ़ाई के अलावा भी वे अन्य कार्य में रहे हैं। यह लोक चेतना से धार्मिक रूप सम्बन्ध रखती है।

= प्रकार

रोना

हँसाना

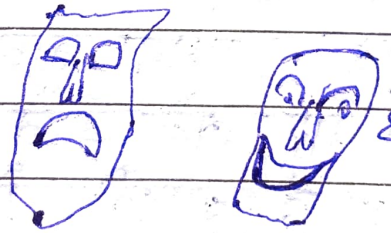

हास्य नाटक :—

यह आम नाटक से अलग होता है और सुखद निष्कर्ष देता है। इसका उद्देश्य है दर्शकों को हँसाना, विचित्र परिस्थिति असामान्य पात्र और मर्मस्पर्शी टिप्पणी का उपयोग किया जाता है।

संगीत नाटक :- संगीत नाटक होता है। यानि इस नाटक में संगीत नाटक होता है। यानि नाटककार, अभिनय के साथ संवाद भी करते है। इसमें नृत्य के साथ संगीत भी होता है। इसमें गम्भीर और मजाकिया विषय दोनों हो सकते है।

फ़ार्स ड्रामा।
आमतौर पर यह एक संख्या शैली है जो हास्य को ओवरलुक करती है। इसमें ऐसी कहानीया सुनी जाती है, जो हास्य को उत्पन्न करें।

मेलोड्रामा :— यह असाधारण नाटक होते है, जो दर्शकों के होश में अपील करते है। पात्र एकदम सरल और आयाम होते हैं या फिर वह रूड भी हो सकते हैं।

त्रासदी :- यह नाटक आपदा, मृत्यु या दर्द जैसे गहरे विषयों पर बने होते है, जिसमें विरोधियों में क्लेश होता है। नाटकों में संवेदनशील नाटक हो सकते हैं, जो लोगों के दिल को छू जाए।